वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 50 | रविवार 18 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गरीब बच्चों को दिया नि: शुल्क प्रशिक्षण

उमंग समर कैंप के समापन पर बच्चों के साथ अभिभावकों ने लगाए ठुमके

जयपुर. कासं। श्री माधव महिला विकास समिति द्वारा आयोजित समर कैंप का समापन शनिवार को रविंद्र मंच के मुख्य सभागार में रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ। 1 माह तक चले इस अभिरुचि शिविर में 2000 से अधिक बच्चों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जिनमें किसी से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया गया। शिविर में सिलाई, बुनाई, मेहंदी, ब्यूटीशियन, हैंडीक्राफ्ट, इंग्लिश स्पोकन, कुकिंग, लोकनृत्य, मार्शल आर्ट आदि का निशुल्क प्रशिक्षण दिया गया। श्री माधव महिला विकास समिति की अध्यक्ष प्रिया सक्सेना ने बताया कि हमारी यह संस्था समाज के गरीब तबकों के लोगों के विकास एवं उनके उत्थान तथा उन्हें रोजगारोन्मुखी एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कई वर्षों से कार्य कर रही है। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश में 15 मई 2023 से 15 जून 2023 तक 1 माह का शहर के विभिन्न स्थानों पर गरीब बच्चों में कला एवं संस्कृति के प्रति जागृति पैदा करने एवं उन्हें रोजगारो मुखी बनाने के लिए अभिरुचि शिविरों का आयोजन किया गया। समिति द्वारा इस शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया गया। शिविर के समापन समारोह में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मार्शल आर्ट सहित कई कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खाचरियावास खाद्य मंत्री एवं अध्यक्षता सीताराम लांबा अध्यक्ष राजस्थान युवा बोर्ड ने की, विशिष्ट अतिथि के रुप में रामदयाल भाटी, भारत यात्री , गुंजन सक्सेना थे।

राजस्थान को लेकर बीजेपी की खास रणनीति

9 महीने में मोदी के 6 दौरे प्रस्तावित, 7वां जोधपुर में

उदयपुर-कोटा में होंगी शाह-नड्डा की जनसभाएं

जयपुर. कासं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बार फिर राजस्थान आएंगे, लेकिन अभी तक तारीख तय नहीं हुई है। इस बार मोदी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में आ सकते हैं। जुलाई के पहले सप्ताह में पीएम मोदी का जोधपुर का दौरा बन रहा है। इसे लेकर संगठन ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। इससे पहले 30 जून को उदयपुर में गृहमंत्री अमित शाह और 29 जून को कोटा में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की सभाएं भी प्रस्तावित हैं। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बीजेपी राजस्थान में पूरी ताकत झोंक रही है। यहीं वजह है कि पिछले 9 माह में पीएम मोदी 6 बार राजस्थान का दौरा कर चुके हैं। पीएम मोदी की इससे पहले 31 मई को अजमेर में सभा हुई थी। हालांकि, जोधपुर दौरे को लेकर पीएमओ से अभी आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं हुआ है। लेकिन पार्टी के सूत्रों की मानें तो जुलाई के पहले सप्ताह में मोदी जोधपुर में कई विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करने आएंगे। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि पीएम मोदी के दौरे को लेकर जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का शिलान्यास, जोधपुर रेलवे स्टेशन की नई टर्मिनल बिल्डिंग का शिलान्यास, एलिवेटेड रोड का शिलान्यास, एम्स में बनने वाले ट्रामा सेंटर का शिलान्यास और रेलवे के इलेक्ट्रिफिकेशन रूट का उद्घाटन प्रस्तावित है। पिछले 9 महीने में पीएम मोदी 6 बार राजस्थान आ चुके हैं। इसकी शुरूआत 30 सितंबर 2022 को हुई थी। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अम्बा माता के दर्शन करने आए थे। उस समय वह सिरोही जिले के आबूरोड़ भी आए थे। दूसरी बार पीएम मोदी 1 नवंबर 2022 को बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में आए। तीसरी बार 8 जनवरी 2023 को मोदी भीलवाड़ा दौरे पर आए और गुर्जर समाज के आराध्य देव देवनारायण भगवान की जयंती समारोह में शामिल हुए थे।

डिजिटलाइजेशन से महिलाओं के जीवन में आ रहा बदलाव

लेडिज पुरुषों की तुलना में अधिक सुसज्जित और कुशल

जयपुर. कासं

घर हो या फिर चाहे सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य, महिलाएं हमेशा 'लीडर्स' और 'चेंजमेकर्स' रही हैं। हालांकि महिलाओं को शिक्षा के अवसरों की कमी, असमान अवसरों और सीमित वित्तीय पहुंच जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद महिलाएं धीरे-धीरे उभर रही हैं। डिजिटलाइजेशन ने कई महिलाओं के जीवन में बदलाव लाया है। वास्तव में भारतीय महिलाएं मॉर्डेनिटी और ट्रेडिशन का एक आदर्श मिश्रण हैं। कार्यस्थल पर अग्रणी होने के साथ-साथ वे संस्कृति की संरक्षक भी हैं। यह बात भारत सरकार, प्रिंसिपल कमिश्नर, आयकर, रोली अग्रवाल ने आज आईटीसी राजपुताना में सीआईआई-आईडब्ल्यूएन राजस्थान एनुअल सेशन और राजस्थान वुमन लीडरशिप समिट 2023 में विशेष संबोधन के दौरान कही। यह कार्यक्रम कन्फेडरेशन ऑफ

इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) - इंडियन वुमन नेटवर्क (आईडब्ल्यूएन) राजस्थान चैप्टर द्वारा आयोजित किया गया था। आईएफएस, निदेशक, राजस्थान वानिकी और वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान एवं मुख्य संरक्षक वन, प्रशिक्षण, राजस्थान सरकार, शैलजा देवल ने कहा कि लैंगिक असमानता और भेदभाव सभी उस मानसिकता में है, जो शुरू से ही बच्चों में भीतर भर दी जाती है। अपने स्वयं के जीवन के अनुभवों से उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिम्मेदारियां लेने के लिए महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक सुसज्जित और कुशल हैं। उन्हें किसी से डरना नहीं चाहिए और अपनी आवाज उठानी चाहिए। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि पुरूष की दुनिया या पुरूष का काम जैसा कुछ भी नहीं है। महिलाओं की समानता की दिशा में काम करने के लिए एक सक्रिय भूमिका निभाई जानी चाहिए और कॉर्पोरेट्स इसमें एक बड़ी परिवर्तनकारी भूमिका निभाएंगे। निष्पक्षता और समानता को बढ़ावा देना चाहिए, बाधाओं को तोड़ने और सभी के लिए संपूर्ण समावेशिता की आवश्यकता है। समिट के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए, सीआईआई राजस्थान स्टेट काउंसिल के चेयरमैन, अभिनव बांठिया ने कहा कि इस समिट का उद्देश्य वुमन लीडर्स की शक्ति और क्षमता को प्रोत्साहित करना था, जिससे कि वे अपने स्वयं के संगठनों के भीतर परिवर्तन एजेंट के रूप में कार्य कर सकें और भविष्य के लिए बिजनेस को आकार देने में सक्षम हो सकें। इसके माध्यम से वुमन लीडर्स को एक ऐसा मंच प्रदान किया गया, जहां उन्होंने अपने अनुभवों को साझा किया कि कैसे उन्होंने अपनी लीडरशिप जर्नी में चुनौतियों का सामना किया और वे कौन से महत्वपूर्ण क्षण या घटनाएं थीं, जिन्होंने उन्हें एक व्यक्तित्व व लीडर के रूप में परिवर्तन लाया।

धौलपुर में हुई दीक्षार्थी की गोद भराई

ज्ञानतीर्थ मुरैना में होगी 23 जून को जैनेश्वरी मुनि दीक्षा

धौलपुर. शाबाश इंडिया। संयम के मार्ग पर चलने को आतुर दीक्षार्थी ब्र. नवीन भैयाजी की गोद भराई का महोत्सव जैन मंदिर धौलपुर में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । आचार्य श्री ग्येयसागर जी महाराज के कर कमलों द्वारा नवीन भैयाजी की दीक्षा २३ जून को ज्ञानतीर्थ क्षेत्र मुरैना में होने जा रही है। परम पूज्य गुरुवर आचार्य श्री 108 आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर धौलपुर में ब्रह्मचारी भैया नवीन जी का गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के मध्य आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए जैन समाज के अध्यक्ष धनेश जैन ने कहा कि जैन धर्म में संयम का विशेष स्थान है। संयम का मार्ग धारण करके ही हम जीवन का कल्याण कर सकते हैं ।उन्होंने कहा कि ब्रह्मचारी नवीन भैया ने अपना घर, माता-पिता, परिवार को छोड़कर जीवन में वैराग्य को धारण किया है । पूज्य गुरुदेव का सानिध्य प्राप्त कर नवीन भैयाजी ने वैराग्य के मार्ग पर चलने का अभ्यास किया जा। आपने गुरुवर की सेवा में लीन रहकर धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया और जैनेश्वरी दीक्षा के भाव जागृत किए। समारोह में उपस्थित सभी साधर्मी बंधुओं ने पंच मेवा से दीक्षार्थी नवीन भैयाजी की गोद भरी। सकल जैन समाज द्वारा उनके पुण्य की अनुमोदना की गई और गोद भराई की रस्म अदा की ।जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पुरुषों ने भाग लिया इस अवसर पर जैन समाज के पवन जैन फॉरेस्टर कोषाध्यक्ष, प्रदीप जैन मामा, राम भरोसी लाल जैन, दिलीप जैन, प्रिंसिपल नरेश जैन, दीदी मंजू जैन, कृष्ण मोहन जैन, अमित जैन सहित बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद रहे।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में अर्पित की आहुतियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री वेदमाता गायत्री वेदना निवारण केन्द्र की ओर से संचालित गृहे गृहे गायत्री यज्ञ श्रृंखला के अंतर्गत शनिवार को मानसरोवर के मान्यावास की शिव विहार कॉलोनी के शिव मंदिर के पास पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। विश्व कल्याण और कॉलोनी वासियों के सुख, समृद्धि, निरोगी जीवन, उज्ज्वल भविष्य और वातावरण के परिशोधन के उद्देश्य से आयोजित गायत्री महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित की। विनाशकारी तूफान बिफरजॉय से जान-माल की हानि न हो इसके लिए विशेष आहुतियां अर्पित की गईं।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता का समागम

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन के ट्रैक एंड क्लीन अभियान में मालवीय इंडस्ट्रियल एरिया से झालाना स्थित कालक्या माता बिंदायका मंदिर तक ट्रैक करके स्वास्थ्य लाभ एवं परिसर में प्लास्टिक, कांच की बोतल व अन्य नॉन बायोडिग्रेडेबल कचरे का संग्रहण कर निर्धारित स्थान पर डाल कर स्वच्छता का संदेश भी दिया। अभियान के दौरान नवीन बड़जात्या धीरेंद्र मंगल, रुपेश छाबड़ा, ऋषभ अग्रवाल, डॉ प्रीति, अक्षत, अरुण नमित छाबड़ा एवं अभिषेक सांघी मौजूद रहे। श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन द्वारा पशुधन आयात एवं निर्यात विधेयक 2023 ड्राफ्ट बिल पर आपत्ति दर्ज कराई। फाउंडेशन के सदस्य अभिषेक सांघी ने बताया कि अहिंसा के मूल सिद्धांत, पर्यावरण एवं प्रकृति के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा लाए जा रहे पशुधन आयात एवं निर्यात विधेयक 2023 में पशुधन को कमोडिटी के रूप में परिभाषित किया है एवं उनके जीवित अथवा मृतक शरीर अंगोत्पाद आयात एवं निर्यात भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48, 48अ एवं 51अ(g) के विपरीत है। साथ ही विधेयक पारित कराने के लिए संविधानिक प्रक्रिया के विरुद्ध जाकर कार्य किया जा रहा है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसके जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है।' देश में पशु क्रूरता के खिलाफ निष्क्रिय कानूनों को देखकर ऐसा लगता है कि मौजूदा सरकारी व्यवस्था ने उन्हें और देश की अहिंसात्मक मूल भावना को बुरी तरह विफल कर दिया है।

नेट थिएट पर मांड का रंग महल

ओ जी म्हारा साजन, रूसिया जाए नणद बाई मारग रोको सा

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज राजस्थान के सुप्रसिद्ध मांड गायक जोधपुर के बनारसी बाबू ने राजस्थान की चिर परिचित विभिन्न मांड गायकी के रंग बिखेरे तो राजस्थानी माटी की सुगंध चहूं ओर महकी कर संस्कृति जीवंत हो उठी। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि उन्होंने प्रसिद्ध मांड उमराव थारी बोली प्यारी लागे महारा राज से कार्यक्रम की शुरूआत की, उसके बाद उन्होंने थारे रे म्हारे राड नहीं रे जूरी,अणबोल्यो मत जाए, बोल्यो तो होतो रे को सुनाया तो दर्शक झूम उठे। कलाकार बनारसी ने जब कुरजां मे सूती छी मैं, रंग महल में सूती ने आयो रे जंजाळ सुपणा रा बेरी नींद उड़ाई रे सुनाया तो राजस्थानी संस्कृति खिल उठी और अंत कुरजा ये म्हारा भंवर मिला दीजे रे सुना कर अपनी गायकी का परिचय दिया। बनारसी बाबू के साथ तबले पर अकबर हुसैन ने अपनी उंगलियों का जादू चला कर कार्यक्रम में संस्कृति के रंग भरे साथ ही हारमोनियम और गायन पर महिंद्र जौहरी ने सुरीली संगत कर संगीतमय माटी की सुगंध से लोगों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश और कैमरा मनोज स्वामी, साउंड तपेश शर्मा, सागर गढ़वाल, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू और जीवितेश शर्मा की रही।

वेद ज्ञान

परोपकार बहुत आवश्यक

विश्व भर के अनगिनत प्राणियों में मानव ही सर्वश्रेष्ठ है। मनुष्य से बढ़कर और कोई प्राणी नहीं है। धर्म और अधर्म, पाप और पुण्य के संबंध में जितना विचार मनुष्य ने किया है, उतना देवों ने भी नहीं किया है। मनुष्य में ही ऐसी शक्ति है, जो धर्म और अधर्म के संबंध में गंभीरता से विचार करता है और पाप को छोड़कर व पुण्य और धर्म को अपनाकर परमात्मा का साक्षात्कार कर सकता है। प्रत्येक मनुष्य चाहता है कि उसे सभी प्रकार का सुख मिले। धन, परिवार, निरोगी शरीर, दीर्घ आयु आदि सुख पुण्य से प्राप्त होते हैं। पाप का परिणाम कष्टदायक है। इसीलिए पाप करने वाले मनुष्य भी पापों के परिणाम से बचने की सोचते हैं। जो जैसा करेगा, वैसा ही भरेगा। यह मानी हुई बात है। यह बड़े आश्चर्य की बात है कि लोग पापों के परिणाम से बचना चाहते हैं, पर पाप-प्रवृत्तियों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं होते। पुण्य के परिणामस्वरूप सुख को सभी चाहते हैं, पर परोपकार आदि पुण्य-कार्यों में प्रवृत्त नहीं होते। चाहते कुछ और हैं और प्रवृत्ति करते हैं उसके विपरीत। यही आश्चर्य की बात है। मन, वचन, और शरीर के जरिये कोई भी पाप-प्रवृत्ति हो रही हो, तो उसे रोकना धर्म है। आज नहीं तो कल, इस भव में नहीं तो आगामी जन्म में पाप का परिणाम-दुख भोगना ही पड़ेगा, यह याद रखना आवश्यक है। पुण्य किसी भी प्राणी को दुख और कष्ट से बचाने, उसकी सुख-सुविधा का उपाय करने से होता है। जितनी भी शुभ प्रवृत्तियां हैं- पुण्य हैं और अशुभ प्रवृत्तियां पाप हैं। हम शुभ में प्रवृत्त हों और अशुभ से बचें, यही समझने का सारांश है। इस विश्व की व्यवस्था सुचारू रूप से चले, इसके लिए परोपकार बहुत आवश्यक है। ऐसा इसलिए, क्योंकि प्राणियों का जीवन एक दूसरे के सहयोग पर ही आश्रित है। हम जब दूसरों का सहयोग या उपकार पाते ही रहते हैं, तो दूसरों का उपकार करना भी हमारा कत्र्तव्य हो जाता है। इस शरीर का धारण अपने पोषण और संरक्षण तक ही सीमित न रखकर दूसरे के लिए भी यह कुछ काम में आए, इसका लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। यह शरीर तो प्रतिक्षण विनाश की ओर बढ़ रहा है। इसलिए इस शरीर से जो भी कुछ दूसरों की भलाई हो जाए, वही अच्छा है। इस शरीर से परोपकार के जरिये महान गुण प्राप्त कर लेना ही शरीर धारण कर लेने की सार्थकता है।

संपादकीय

ग्यारह करोड़ लोग सूडान-यूक्रेन संकट से विस्थापित

सूडान और यूक्रेन संकट के चलते ग्यारह करोड़ लोग विस्थापित हुए। एक करोड़ दस लाख से अधिक लोगों को यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण अपना घर-बार छोड़ना पड़ा। द्वितीय महायुद्ध के बाद से यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में लोगों को अपना मूल निवास छोड़ कर दूसरी जगहों पर ठिकाना तलाशने को मजबूर होना पड़ा। सूडान में संघर्ष के चलते अप्रैल के बाद से करीब बीस लाख लोग अपना घर-बार छोड़ चुके हैं। इसी तरह कांगो गणराज्य, इथोपिया और म्यांमा में संघर्ष के कारण करब दस-दस लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी उच्चायुक्त ने इसे मानवता के लिए कलंक माना है। इन देशों में अभी स्थितियां सुधरने या बदलने की कोई उम्मीद भी नजर नहीं आ रही। सीरिया, लेबनान, लीबिया में संघर्ष और विस्थापन की त्रासदी लोग देख ही चुके हैं। दुनिया के बहुत सारे देशों में अपने पड़ोसी देशों के साथ या आंतरिक संघर्ष चल रहा है, जातीय संघर्ष,

धार्मिक कट्टरता, आतंकवाद, गृहयुद्ध, गरीबी आदि वजहों से लोग अपना मूल निवास छोड़ कर कहीं दूसरी सुरक्षित जगहों पर शरण पाने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें से बहुत सारे लोग वर्षों से शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं, सुरक्षा कारणों से वे वापस अपने वतन जाना भी नहीं चाहते। किन्हीं विषम परिस्थितियों में लोगों को अपना बसा-बसाया घर-बार, रोजगार के साथन, जमीन-जायदाद छोड़ कर दूसरे किसी देश के शरणार्थी शिविर में रह कर संघर्ष करना पड़े, तो उनके जीवन की त्रासदी का अंदाजा लगाया जा सकता है। दूसरे विश्वयुद्ध की त्रासदी को लोग अब भी नहीं भूले हैं, उसके नतीजे रूह कंपा देने वाले रहे। उसके बाद युद्ध, आंतरिक संघर्ष, जातीय-धार्मिक कट्टरता आदि के चलते मनुष्य के सामने पैदा होने वाले संकटों को टालने के मकसद से कुछ अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का गठन किया गया। शरणार्थियों को लेकर एक अंतरराष्ट्रीय अभिरूप भी तभी बना, जिसके तहत दूसरे देश इस तरह की स्थितियों में पलायन कर आए लोगों को अपने यहां पनाह देंगे। मगर स्थिति यह है कि बहुत सारे देश अब शरणार्थियों का बोझ नहीं उठा पा रहे, इसलिए वे या तो अपने यहां से शरणार्थियों को निकालना चाहते हैं या नए शरणार्थियों को आने से रोकने का प्रयास करते हैं। भारत भी कई बार म्यांमा, पाकिस्तान, बांग्लादेश के शरणार्थियों का बोझ उठा पाने को लेकर अपनी पीड़ा जाहिर कर चुका है। द्वितीय महायुद्ध का सबक तो यह था कि युद्ध या किसी भी तरह का संघर्ष मानवता के लिए खतरा है और उसे किसी भी रूप में रोका जाना चाहिए। मगर इसके लिए बनी संस्थाएं भी इसमें नाकाम रही हैं। दुनिया में हर समय कहीं न कहीं युद्ध चल रहा है, जातीय संघर्ष, गृहयुद्ध की स्थिति बनी हुई है। धार्मिक विद्वेष की वजह से तनाव और पलायन की स्थितियां पैदा होती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि सत्ताएं अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने के मकसद से भी कुछ संघर्षों को बढ़ावा देती रहती हैं। मगर सत्ताधीशों की सनक और वर्चस्ववादी रवैए के चलते जिन लोगों के घर उड़ जाते हैं, जिनके परिवार के लोग मारे जाते हैं, उन्हें अपना बसा-बसाया संसार छोड़ कर किसी अपरिचित जगह पर भटकने को मजबूर होना पड़ता है, उनकी पीड़ा को कौन समझेगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

रस्साकशी शुरू

तमिलनाडु के बिजली और आबकारी मंत्री वी सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी को लेकर एक बार फिर केंद्रीय जांच एजंसियों की कार्यशैली और अधिकार क्षेत्र को लेकर राजनीतिक रस्साकशी शुरू हो गई है। सेंथिल पर आरोप था कि उन्होंने परिवहन विभाग में नौकरियों के बदले नगदी ली थी। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को उनसे करीब अठारह घंटे पूछताछ की और जब उन्हें गिरफ्तार किया, तो उनकी तबियत बिगड़ गई। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। तमिलनाडु के सत्ताधारी दल का कहना है कि पूछताछ के दौरान सेंथिल को प्रताड़ित किया गया, जिसकी वजह से उन्हें हृदयाघात हुआ। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि जब सेंथिल जांच में सहयोग के लिए तैयार थे, तो उनसे इतनी लंबी पूछताछ करने की क्या जरूरत थी। इस घटना के बाद तमिलनाडु सरकार ने पूर्व प्राधिकरण के बिना राज्य के भीतर जांच करने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) को पूर्व में दी गई सामान्य सहमति को रद्द कर दिया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल, राजस्थान, केरल, मिजोरम, पंजाब और तेलंगाना पहले ही सीबीआइ जांच के लिए अपनी सहमति वापस ले चुके हैं। इस तरह अब घोटालों की जांचों में राज्य सरकारों के सहयोग को लेकर भी स्वाभाविक ही सवाल उठे हैं। यह ठीक है कि पिछले कुछ सालों में केंद्रीय जांच एजंसियां कुछ ज्यादा सक्रिय नजर आने लगी हैं। छापों और पूछताछ आदि की कार्रवाइयां बढ़ गई हैं। इसे लेकर विपक्षी दल काफी समय से असहज महसूस कर रहे और आरोप लगा रहे हैं कि ये बदले की भावना से की जा रही कार्रवाइयां हैं, इसलिए कि इनमें दोषसिद्धि न के बराबर हो पाई है और जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें जानबूझ कर परेशान करने की नीयत से जेलों में रखा गया है। सेंथिल का नाम भी उनमें जुड़ गया है। इस तरह उनकी तबियत खराब होने से उन्हें और सहानुभूति मिली है। विपक्षी दल केंद्रीय एजंसियों की इन कार्रवाइयों के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया था, मगर उसने साफ कह दिया कि धनशोधन, कर चोरी जैसे मामलों में जांच पर रोक का आदेश भला क्यों दिया जाना चाहिए। ऐसी गतिविधियों के तार राष्ट्रविरोधी और आतंकवादी गतिविधियों से भी जुड़े हो सकते हैं। इस तरह जांच एजंसियों के काम पर अंगुलियां तो नहीं उठाई जा सकतीं। मगर जांच एजंसियों को इस बिंदु पर विचार करने की अवश्य जरूरत है कि आखिर उस पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप क्यों लग रहा है। क्या उसकी जांच का तरीका वास्तव में वही है, जो होना चाहिए? पूछताछ के दौरान प्रताड़ित किए जाने, डराने-धमकाने के कुछ तथ्य भी सामने आ चुके हैं। क्या पूछताछ करते समय इस बात का ध्यान रखने की जरूरत नहीं समझी जानी चाहिए कि सामने वाले का स्वाथ्य ठीक है या नहीं। अगर उसके पूछताछ से अभियुक्त को दिल का दौरा पड़ जाए, तो इसे मानवीय कार्रवाई नहीं कहा जा सकता। शायद उसके इसी मनमानेपन की वजह से विपक्षी दलों को उस पर आरोप लगाने का मौका मिला है और अब स्थिति यह है कि वे अपने खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को बदले की कार्रवाई बता कर सड़कों पर लोगों के सामने खुद को पाक-साफ साबित करने की कोशिश करते देखे जाने लगे हैं।

ध्वजारोहण, पंच परमेष्ठी विधान व भक्तामर अनुष्ठान के साथ अंबाबाड़ी जैन मंदिर की वेदी प्रतिष्ठा शुरू

घटयात्रा जुलस व याग मंडल विधान की पूजा आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से श्री दिगम्बर जैन मंदिर अंबाबाड़ी का त्रिदिवसीय श्री मज्जिनेन्द्र वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव शनिवार से ध्वजारोहण व इन्द्र प्रतिष्ठा सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ शुरू हुआ। 19 जून तक चलने वाले इस वार्षिकोत्सव के दारान भक्तामर अनुष्ठान,घटयात्रा हवन सहित अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष टीकम चंद सेठी व मंत्री सुरेष कुमार ठोलिया ने बताया कि वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिन शनिवार को सुबह इन्द्र प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा के बाद के बाद श्रीजी का अभिषेक व शांतिधारा हुई। इसके बाद ध्वजारोहण समाजश्रेष्ठी राकेष कुमार-प्रतीक कुमार जैन ने किया। इसीदिन दोपहर में साजों के बीच श्री पंच परमेष्ठी विधान की पूजा की गई। इसीदिन साम को चूलगिरि यात्रा संघ की ओर से साजों के बीच 48 दीपकों से संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान गूंज रही भजनों की स्वर लहरियों से आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। मंदिर के संस्थापक प्रेमचंद बड़जात्या ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को सुबह 6 बजे अभिषेक व शांतिधारा के बाद घटयात्रा जुलूस निकलेगा। इसके बाद सुबह 9 बजे वेदी शुद्धि की जाएगी। इसीदिन दोपहर 1बजे याग मंडल विधान पूजा के बाद साम को 7.30 बजे आरती के बाद भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। संयुक्त मंत्री अशोक सौगानी ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन 19 जून को सुबह 6.30 बजे अभिषेक व शांतिधारा के बाद सुबह 7.30 बजे हवन के बाद श्रीजी को वेदी में विराजमान किया जाएगा। इसीदिन साम को 7.30 बजे महाआरती व आनंद यात्रा का आयोजन होगा। महोत्सव में मुख्य कलश स्थापनाकर्ता मोहनी देवी व शांति देवी ठोलिया परिवार होंगे जबकि सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य अखिलेष-रजनी सेठी को परिवार को प्राप्त हुआ। महोत्सव की संपूर्ण क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य डॉ.सनत कुमार जैन सम्पन्न कराएंगे।

दिगम्बर जैन आचार्य चैत्य सागर महाराज एवं आचार्य सौरभ सागर महाराज को जैन बन्धुओं ने किया श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री चैत्य सागर जी महाराज एवं आचार्य श्री सौरभ सागर महाराज को जयपुर आगमन के लिए जयपुर के गणमान्य जैन बन्धुओं ने श्री फल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आगरा रोड पर भण्डाना स्कूल में आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज ससंघ तथा दौसा के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज को श्री फल भेट किया आशीर्वाद प्राप्त किया तथा जयपुर आगमन एवं चातुर्मास हेतु निवेदन किया। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष एवं श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के संरक्षक सुभाष चन्द जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप जैन, राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, धर्म जागृति संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एवं जनकपुरी दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष पदम चन्द बिलाला एवं बैंकर्स फोरम के कार्याध्यक्ष भाग चन्द जैन मित्रपुरा वाले सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। राजस्थान जैन सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य चैत्य सागर महाराज का चातुर्मास श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाडा पदमपुरा में होगा तथा आचार्य श्री सौरभ सागर महाराज का जयपुर में प्रतापनगर सैक्टर 8 के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में इस वर्ष का चातुर्मास होगा। आचार्य श्री सौरभ सागर महाराज का जयपुर में भट्टारक जी की नसियां में रविवार 25 जून को मंगल प्रवेश होना संभावित है।

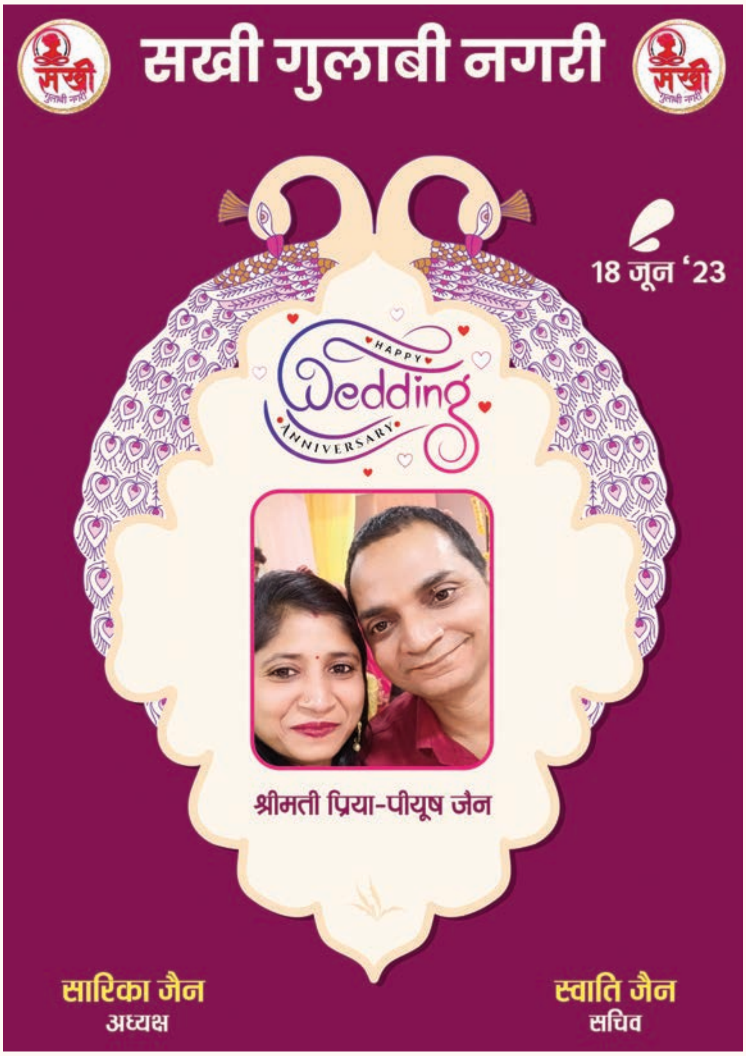

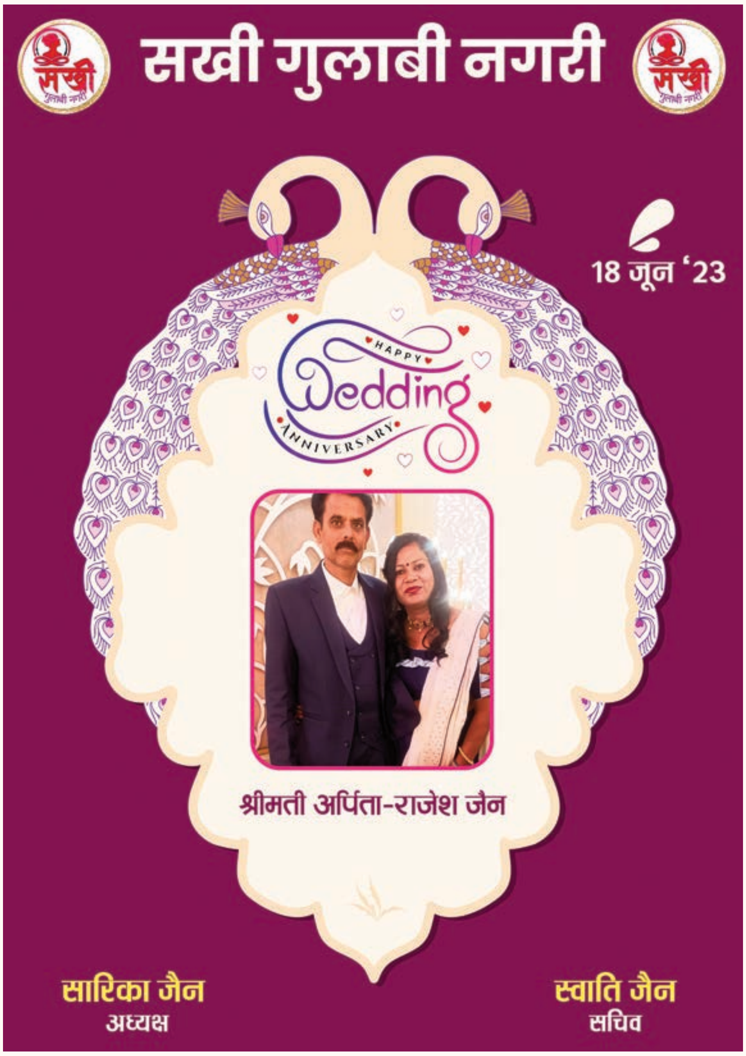

महानगर ग्रुप की कार्यकारिणी सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर की कार्यकारिणी सभा का आयोजन सांगानेर में किया गया। सभा की शुरूआत नवकार मंत्र के उच्चारण के साथ हुई। ग्रुप के अध्यक्ष संजय जैन आवा ने ग्रुप के आगामी कार्यक्रमों के बारे में कमेटी सदस्यों को विस्तार से बताया। महानगर ग्रुप द्वारा किए जाने वाले सभी सामाजिक सरोकारों के कार्यक्रमों के बारे में सदस्यों द्वारा चर्चा की गई। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, रवि प्रकाश जैन, डॉ राजीव जैन और दीपेश छाबड़ा सहित सभी वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे। अंत में सचिव सुनील गंगवाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह रामनिवास बाग में होगा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 जयपुर के रामनिवास बाग में स्थित फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित होगा। योग दिवस समारोह को सफल बनाने हेतु प्रथम दौर की मिटिंग जयपुर के जिला कलेक्टर तृतीय श्री अशोक कुमार शर्मा द्वारा ली गई जिसमें सभी विभागों के अधिकारियों को योग दिवस समारोह 2023 को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ जितेन्द्र सिंह कोठारी ने अवगत कराया कि योग दिवस समारोह में अधिकतम आमजन को जोड़ने और विभागों से समन्वय करने हेतु आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ अशोक कुमार अग्रवाल को जयपुर जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है नोडल अधिकारी द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आयुर्वेद विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों कि विभिन्न समितिया बनाकर जिम्मेदारी सौंपी गई है इस कार्यक्रम में आमजन अधिकतम शामिल हो इसके लिए आयुर्वेद विभाग प्रचार प्रसार में लगा हुआ है। आयुर्वेद विभाग द्वारा ''योग से निरोग'' बनने की अवधारणा को अपनाने हेतु योग को अपने जीवन के दैनिक कार्यों में शामिल करने हेतु आमजन को प्रेरित कर रहा है। आयुर्वेद विभाग द्वारा जयपुर शहर के अलावा प्रत्येक ब्लॉक एवं पंचायत स्तर पर योग कार्यक्रम मनाये जाने की तैयारी कर रहा है। इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 की थीम ''वसुधैव कुटुम्बकम'' के सिद्धांत के साथ वन वर्ल्ड, वन हेल्थ रखी गई है। इस साल योग दिवस की इस थीम को केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा चुना गया है, जिसकी जानकारी पीएम मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में दी थी।

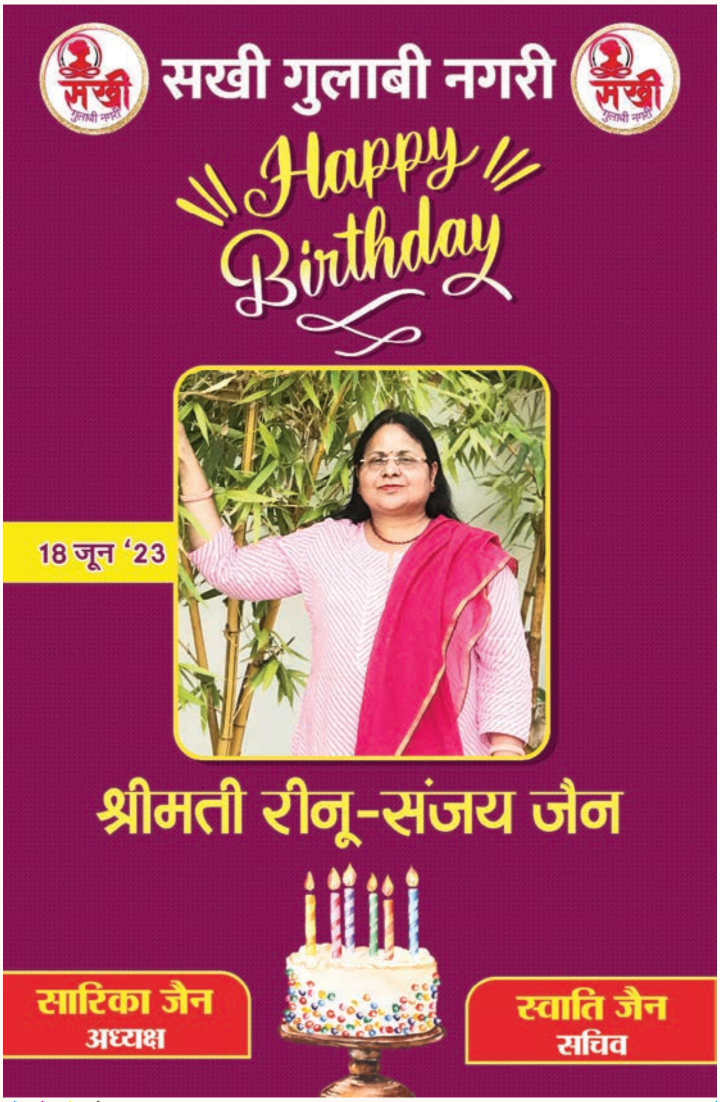

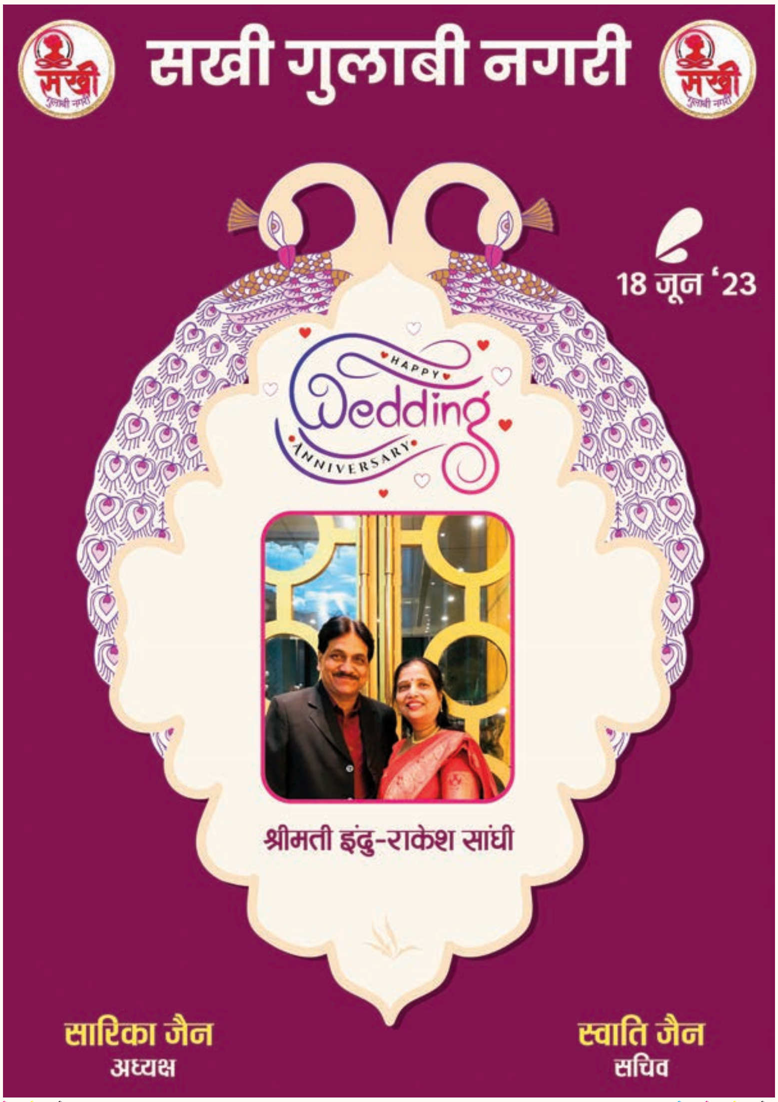

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने किया हिंदी गीत ''अलख जगाओ मिलकर सारे हमको देश जगाना है'' के पोस्टर का विमोचन

बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान पर आधारित हैं यह गीत

लक्ष्मणगढ़. शाबाश इंडिया

बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान पर आधारित हिंदी गीत ''अलख जगाओ मिलकर सारे हमको देश जगाना है'' के पोस्टर का विमोचन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के सानिध्य में किया गया। यह जानकारी देते हुए अभियान के सह-संयोजक आकाश झुरिया ने बताया कि अभियान के संयोजक कवि हरीश शर्मा के मार्गदर्शन में यह गीत कवयित्री डॉक्टर निरुपमा उपाध्याय के द्वारा लिखा गया है जबकि म्यूजिक मुंबई के कमल राणा द्वारा दिया गया है एवं सिंगर कंपोजर रोनी 7 हेमंत शर्मा के द्वारा गाया गया है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि यह प्रयास वाकई सराहनीय हैं एवं यह गीत समाज में नई अलख जगाने का कार्य करेगा। इस दौरान बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान के सदस्य विनीत सोनी सहित टीम के अन्य सदस्य महानुभाव उपस्थित रहे।

योग प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी जैन सोशल ग्रुप मेन उदयपुर द्वारा महिलाओं को योग के प्रति जागरूक करने और मानसिक प्रेशर कम करने के उद्देश्य से योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शुभकेसर वाटिका में किया गया। ग्रुप अध्यक्ष जेएसजीएन डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि आजकल हर महिला किसी न किसी मानसिक प्रेशर से गुजर रही हैं। किसी को बच्चों की चिंता होती है तो किसी को परिवार का तनाव रहता है। ये तनाव और चिंता ही महिलाओं को बीपी, शुगर और घुटने के दर्द सहित अन्य बीमारियों से जकड़ लेता है। ऐसे में योगे करने से तनाव कम होता है, मानसिक शक्ति बढ़ती है और बीमारियां दूर रहती हैं अतः हमें नियमित योग करना चाहिए। इस शिविर में योग साधक और प्रशिक्षक श्रीमती श्वेता चण्डालिया ने ग्रुप की संगिनी बहनों को योग साधना स्वास्थ्य लाभ स्वस्थ दैनिक दिनचर्या, आहार-विहार, रितु चर्या, स्वस्थ व्रत, जीवन में योग का महत्व उपयोगिता के बारे में जानकारी दी व साथ ही यौगिक क्रियाएं सिखाई और करवाई। योग की विभिन्न क्रियाओं के साथ ही फेस योगा, म्यूजिक योगा, लाफ्टर थैरेपी भी करवाई गई। उन्होंने नियमित रूप से योग करने के फायदे भी बताए। उन्होंने बताया कि योग से आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास होता है और योग ही स्वस्थ जीवन का आधार है। इस कार्यक्रम में डॉ प्रमिला जैन के साथ लक्ष्मी कोठारी, शशि जैन, कमला नलवाया, गुणबाला जैन, संजिता रानी कोठारी, अनिता चौधरी, नमिता मेहता, मंजू चौधरी, सरोज तलेसरा आदि कई सदस्य उपस्थित थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की 13 से 22 जून की हिमाचल यात्रा

यात्रा के प्रारंभ में सर्वप्रथम चंडीगढ़ पहुंच कर जैन मंदिर में अभिषेक दर्शन कर यात्रा का शुभारंभ किया

चितकुल में तिब्बत बॉर्डर के पहले चेक पोस्ट पर सेना के सिपाही का अभिवादन किया

चंडीगढ़, शिमला, कुफरी,सिलोर नारकंडा, सांगला, रक्छम की यात्रा के बाद 18 जून को जायेंगे कलपा

22 जून को होगी वापसी

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा 13 से 22 जून तक हिमाचल के दर्शनीय स्थलों की यात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। **ग्रुप अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने बताया कि** 13 जून को जयपुर से रेल द्वारा चंडीगढ़ प्रातः 6.30 बजे पहुंचे वहां पर श्री दिगंबर जैन मंदिर पंचकुला में अभिषेक के पश्चात शिमला होते हुए सिलोर में रात्रि विश्राम किया। 15 जून को प्रातः नारकंडा होते हुए कच्ची पक्की सड़क से रक्छम पहुंचे । जहां पर सांगला में कामरू फोर्ट , चितकुल इंडिया के आखरी गांव में तिब्बत बार्डर के पास बर्फीले पहाड़, नदी, मनभावन प्रकृति को देखकर मन प्रसन्न हो गया। कार्यक्रम संयोजक अनिल - ज्योति चौधरी ने बताया कि आज 18 जून को कलपा के दर्शनीय बर्फीले पहाड़ों किन्नर कैलाश आदि के मन भावन नजारों का आनंद लेते हुए यह दल 22 जून को वापस जयपुर आयेगा। @...पेज 10 पर

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की 13 से 22 जून की हिमाचल यात्रा

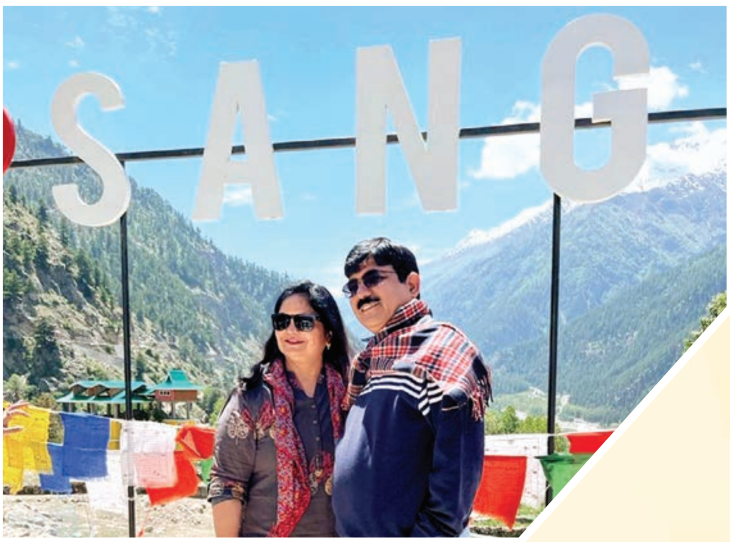

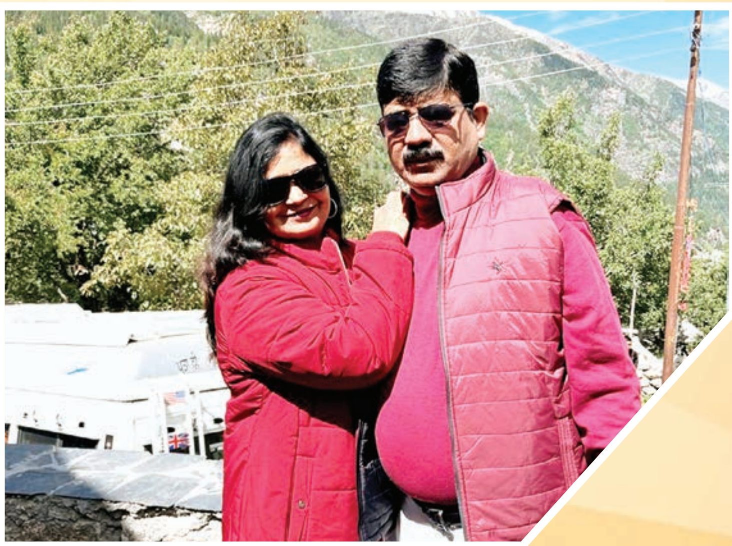

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का भैंसलाना में मंगल प्रवेश

बैंड बाजे के साथ जैन समाज ने की माताजी की भव्य अगवानी

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे में शनिवार को जैन आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ का मिंडा से विहार कर भैंसलाना में मंगल प्रवेश हुआ।जैन समाज के राजकुमार पाटनी ने बताया कि शुक्रवार को आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का मिंडा से विहार कर भैंसलाना में मंगल प्रवेश हुआ। इस दौरान जैन समाज ने आर्यिका संघ की बैंड बाजे के साथ भव्य अगवानी की।वही आर्यिका संघ ने भैंसलाना के पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन किए।इस दौरान नवरत्न पाटनी, घीसालाल जैन,महावीर पाटनी,विनोद जैन, सुभाष जैन, ललित जैन, जिनेन्द्र जैन, जैन समाज के युवा अध्यक्ष पंकज जैन,अर्पित जैन,आयुष पाटनी सहित महिला मंडल भैंसलाना की शांतिदेवी, चंद्रकांता, कोशल्या देवी, संतोष, डिंपलदेवी, बीनादेवी, ममता, आशिका, डिम्पल, प्रिया पाटनी सहित अन्य मौजूद रहे।

सूर्य नगर दिगम्बर जैन मंदिर के 26वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय वार्षिकोत्सव

भक्तामर प्रणत मौलि मणि प्रभाणा, भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान में भगवान आदिनाथ के गूंजे जयकारे, रविवार को होगी संगीतमय शांतिविधान पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया। तारों की कूंट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का 26 वां स्थापना दिवस पर दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के तहत शनिवार को 48 दीपकों द्वारा ऋद्धि मंत्रो से युक्त भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का संगीतमय आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रांगण भगवान आदिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। रविवार को शांति विधान पूजा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा। मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के तत्वावधान में आयोजित इस भक्तामर स्तोत्र दीप महार्चना का समाजश्रेष्ठी धनराज -कमलेश जैन द्वारा भगवान शान्तिनाथ, भगवान महावीर स्वामी एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया गया। प्रसिद्ध गायक सुशील झांझरी एवं शिखर चन्द जैन द्वारा संगीत के साथ भक्ति मय प्रस्तुति दी गई। इससे पूर्व विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का सामूहिक जाप्य श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष नवीन जैन, मंत्री धनेश सेठी, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राजेश पापडीवाल, रितेश छाबड़ा,ललित दीवान, विमल गोधा, कैलाश काला,गौतम पाटोदी, नरेन्द्र जैन,पी सी जैन, रमेश लुहाड़िया,राजन गोधा, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे। अन्त में भक्तामर महिमा एवं भगवान आदिनाथ की आरती के साथ समापन हुआ।

आदि पुरुष फिल्म बैन करने की मांग

साथ ही आमजन इसका बायकाट करे। हनुमान जी और देवी-देवताओं का अपमान करने वाली और रामायण से खिलवाड़ करने वाली फिल्म को नहीं चलने देंगे : पं. सुरेश मिश्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने आदिपुरुष फिल्म पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है। मिश्रा ने कहा है कि इस फिल्म के माध्यम से हनुमान जी और अन्य देवी देवताओं का अपमान करने की साजिश रची जा रही है। प्रभास और कृति सेनन की फिल्म आदि पुरुष में भद्दे कंप्यूटर ग्राफिक्स का उपयोग करते हुये रामायण ग्रंथ के पात्रों के साथ खिलवाड़ किया गया है। ये ग्रंथ हम लोगों का जीवन ग्रंथ है। मिश्रा ने राज्य सरकार से मांग की हैं कि इस फिल्म पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाये। मिश्रा ने कहा है कि इस फिल्म के सारे संवाद स्तरहीन है। इससे समाज में बड़ा विरोधाभाशी संदेश जा रहा है। फिल्मों का हमारे मन और जीवन पर गहरा असर पड़ता है। इसलिए इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की धर्म और संस्कृति पर आधारित फिल्मों से छेड़छाड़ नहीं की जाये। इस फिल्म में पौराणिक पात्र के लुक और उनके डायलॉग स्तरहीन है इसमें भगवान राम, हनुमान, सीता और रावण के किरदारों का अभद्र चित्रण किया गया है। साथ ही इस फिल्म में रामायण का भी अपमान किया गया है। ये देश के करोड़ों हिंदुओं की श्रद्धा के साथ खिलवाड़ है। इससे हमारी आस्था को चोट पहुंची है। साथ ही अन्य देवी देवताओं को भी

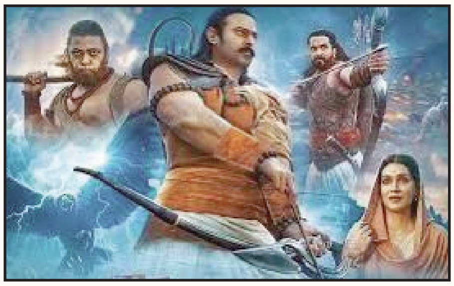

काल्पनिक ढंग से दिखाया जा रहा है, जो कि सरासर गलत है। इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। इस संदर्भ में सर्व ब्राह्मण महासभा ने फिल्म के निर्देशक ओम राउत को दिनांक 6.10.2022 को एडवोकेट कमलेश शर्मा ने एक वर्ष पहले नोटिस भेजा था उस समय फिल्म के निर्देशक ओम राउत ने स्पष्टीकरण दिया था कि फिल्म में कुछ गलत नहीं होगा लेकिन उसके बाद जब ये फिल्म रिलीज हुई है तो रामायण के सारे पात्रों का मजाक उड़ाया गया हैं। मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मांग की है कि इस फिल्म पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाये और आमजन से अपील है कि इस फिल्म का बायकाट करे। इस संदर्भ में सोमवार को कोर्ट में अपील भी लगाई जा रही है।

जीवन की दशा व दिशा बदल देता सत्संग-श्रीजी महाराज

सत्यनिष्ठ होकर जीने वाला हो जाता भवसागर से पार। श्री दूधाधारी गोपालजी महाराज का नूतन महल प्रवेश महोत्सव के तहत श्रीमद् भागवत कथा

सुनील पाटनी। शाबाश इंडिया।

भीलवाड़ा। आप चाहे किसी भी जाति, वर्ण, सम्प्रदाय से हो स्वयं को कभी उपेक्षित नहीं समझे और भगवान से प्रेम करते रहे तो उनकी कृपा एक दिन आप पर अवश्य होगी। संसार भगवान की क्रीड़ा स्थली है ओर हम यहां खिलाड़ी है। हमारा जीवन एक खेल है जिसने सत्यनिष्ठ होकर जीवन जीया वह भवसागर को पार हो जाता है। भगवत भक्ति से बैकुण्ठ मिलता है ओर भक्ति का प्रारंभ सत्संग से होता है। ये विचार ठाकुर श्री दूधाधारी गोपालजी महाराज का नूतन महल प्रवेश महोत्सव के तहत नूतन महल प्रवेश महोत्सव समिति के तत्वावधान में अग्रवाल उत्सव भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन शनिवार को व्यास पीठ से श्री निम्बाकार्चार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्यश्री श्रीजी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भक्ति के भाव का जागरण शुद्ध मन से होता है ओर श्रीमद् भागवत का श्रवण मन को शुद्ध बनाता है यानि परम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शुद्धि की शुरूआत यहीं से होती है। श्रीजी महाराज ने कहा कि सत्संग की महिमा अपरम्पार है। भागवत के दिव्य सत्संग का आनंद जीवन पर्यन्त चलता रहे कभी विश्राम न हो। जीवन का वह दिन व्यर्थ और निष्फल हो जाता जिस दिन सत्संग नहीं होता है। सत्संग जहां भी मिल जाए लाभ लेना चाहिए। श्रीजी महाराज ने कहा कि भागवत रूपी सत्संग जीवन को सुगम, सरल व पवित्र बनाता है। सत्य की विद्यमानता वाले सज्जनों की संगत सत्संग है। जीवन की दिशा व दशा सत्संग से ही बदलती है। हम चाहे जिसके उपासक हो अपने आराध्य के प्रति मन में हमेशा दृढ़ता रहने पर उनकी कृपा होती है। भक्ति चलायमान नहीं निश्चल होनी चाहिए। सत्संग ही वह शक्ति है जो मन को दृढ़ बनाता ओर मनोबल बढ़ाता है। भक्ति के लिए सबसे पहले मन को वश में करना चाहिए अन्यथा वह भटका देगा।

सूर्य नगर दिगम्बर जैन मंदिर के 26वें स्थापना दिवस पर दो दिवसीय वार्षिकोत्सव

भक्तामर प्रणत मौलि मणि प्रभाणा, भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान में भगवान आदिनाथ के गूंजे जयकारे, रविवार को होगी संगीतमय शांति-विधान पूजा

जयपुर. शाबाश इंडिया

तारों की कूंट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का 26 वां स्थापना दिवस पर दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के तहत शनिवार को 48 दीपकों द्वारा ऋद्धि मंत्रो से युक्त भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का संगीतमय आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रांगण भगवान आदिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। रविवार को शांति विधान पूजा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा। मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के तत्वावधान में आयोजित इस भक्तामर स्तोत्र दीप महार्चना का समाजश्रेष्ठी धनराज - कमलेश जैन द्वारा भगवान शान्तिनाथ, भगवान महावीर स्वामी एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया गया। प्रसिद्ध गायक सुशील झांझरी एवं शिखर चन्द जैन द्वारा संगीत के साथ भक्ति मय प्रस्तुति दी गई। इससे पूर्व विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र का सामूहिक जाप्य श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष नवीन जैन, मंत्री धनेश सेठी, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राजेश पापडीवाल, रितेश छाबड़ा,ललित दीवान,विमल गोधा, कैलाश काला,गौतम पाटोदी, नरेन्द्र जैन,पी सी जैन, रमेश लुहाड़िया,राजन गोधा, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उपस्थित थे। अन्त में भक्तामर महिमा एवं भगवान आदिनाथ की आरती के साथ समापन हुआ। अध्यक्ष इंजीनियर नवीन जैन एवं मंत्री धनेश सेठी ने बताया कि रविवार को प्रातः मंत्रोच्चार से अभिषेक, शांतिधारा के बाद पुण्यार्जक परिवारों द्वारा चांदी के नवीन छत्र एवं भामण्डल स्थापित किए जाएंगे। प्रातः 11.15 बजे शांति देवी राजेश पापडीवाल परिवार ध्वजारोहण करेंगे। समिति सदस्य विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दोपहर 12.15 बजे से पण्डित प्रकाश जैन के निर्देशन में संगीतमय शांतिविधान पूजा का आयोजन किया जाएगा।

क्या रनिंग करने से फैटी लीवर सही होता है?

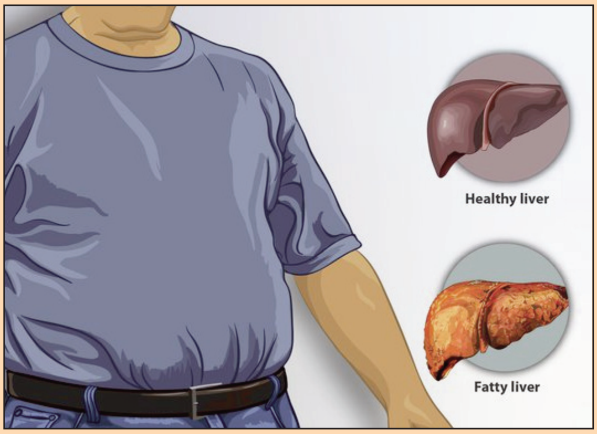

हाँ, रनिंग करने से फैटी लीवर को सही करने में मदद मिल सकती है। फैटी लीवर एक स्थिति है जब शरीर में अतिरिक्त चर्बी या ट्रिग्लिसराइड जमा हो जाती है जो लीवर के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। इसके कारण लीवर की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है और इससे फैटी लीवर विकसित हो सकता है। रनिंग एक प्रकार का व्यायाम है जो सामान्य रूप से पूरे शरीर की गतिशीलता को बढ़ाने और कैलोरी जलाने में मदद करता है। इसके बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह वजन घटाने और मेटाबोलिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकता है, जिसमें फैटी लीवर को भी सही करना शामिल हो सकता है। रनिंग करने से आपकी शरीर की चर्बी कम होती है और यह आपके शरीर के ट्रिग्लिसराइड स्तर को भी कम कर सकता है। इसके अलावा, रनिंग करने से आपका खून सही ढंग से संचालित होता है, जिससे लीवर के कार्यक्षमता को सुधारने में मदद मिलती है। इससे फैटी लीवर के संक्रमण का खतरा कम होता है और शरीर में इन्सुलिन का संप्रवाह भी सुधारता है, जिससे मधुमेह के खतरे को कम किया जा सकता है। यदि आपको फैटी लीवर है या आप इसे संभालने के लिए चिंतित हैं, तो आपको अपने डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। वे आपको सही दिशा दे सकेंगे कि आपको कितनी और कैसी शारीरिक गतिविधियाँ करनी चाहिए और कैसे अपने आहार और जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।